B.A. III Social change Paper- VII

1. जिन्सबर्ग → "By social change, I understand change in social structure, e.g. the size of a society, the composition or balance of its parts or the types of its organization".

"सामाजिक परिवर्तन से मैं सामाजिक ढाँचे अर्थात् समाज के आकार, उसकी रचना या उसके अवयवों के सन्तुलन या उसके संगठन के प्रकारों में हुए परिवर्तन को समझता हूँ।"

2. MacIver, "Any change in social relationship is to be regarded as social change".

सामाजिक परिवर्तन से इनका तात्पर्य सामाजिक सम्बन्धों में ~~होने वाले~~ किसी भी प्रकार के होने वाले परिवर्तन से है।

3. Jones - "Social change is a 'term', used to describe variations in, or modifications of any aspect of social processes, social patterns, social interaction or social organization".

सामाजिक परिवर्तन वह शब्द है जो सामाजिक प्रक्रियाओं, सामाजिक प्रतिमानों, सामाजिक अन्तःक्रियाओं, सामाजिक संगठन के किसी रूप में अन्तर या रूपान्तर को वर्णित करने के लिये प्रयोग किया जाता है।

Social Progress

Progress की उत्पत्ति लैटिन भाषा के Progedior शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है 'आगे बढ़ना' (to step forward) अर्थात् प्रगति उस सामाजिक परिवर्तन को कहते हैं जिससे समाज आगे की ओर बढ़े। वांछित दिशा में होने वाले परिवर्तन को प्रगति कहते हैं।

परिभाषाएँ :-

1. Lester ward, "जो मानवीय सुख की वृद्धि करे वह प्रगति है"।
Progress is that which secures the increase of human happiness.

2. Grooves and Moore, "Progress is movement towards a desired end in terms of accepted values".
प्रगति स्वीकृत मूल्यों के आधार पर इच्छित दिशा की ओर गतिशील होने को कहते हैं"।

प्रगति की विशेषताएँ :-

1. प्रगति वांछित परिवर्तन है।
Progress is desired change
2. प्रगति तुलनात्मक होती है
Progress is comparative
3. प्रगति स्वचालित होती है।
Progress is automatic

(3)

iv) प्रगति मानव के प्रयासों के फलस्वरूप होती है
Progress is due to human efforts

v) प्रगति केवल मनुष्यों से सम्बन्धित होती है।
Progress is only human centric.

सामाजिक प्रगति में सहायक दशायें :-

1) प्रगति करने की अपनी क्षमता में विश्वास,
लोगों में यह विश्वास हो कि वे प्रगति कर सकते हैं।

2) आदर्श जनसंख्या (optimum population)
ऐसी जनसंख्या जो देश के साधनों का अधिकतम उपयोग कर सके। उससे कम या अधिक जनसंख्या प्रगति में बाधक होती है

3. अवसरों की समानता :- प्रत्येक व्यक्ति जाति, धर्म, क्षेत्र, सम्प्रदाय को अवसरों की समानता मिलनी चाहिए।

4. आदर्श भौगोलिक दशाएं :- कुछ भौगोलिक परिस्थितियाँ सामाजिक प्रगति के अनुकूल होती हैं तो कुछ प्रतिकूल। जैसे उपजाऊ जमीन, उचित वर्षा, जलवायु, पर्याप्त खनिज इत्यादि।

5. प्राद्योगिक उन्नति तथा नवीन अविष्कार :-

6. योग्य राजनैतिक नेतृत्व

7. न्यूनतम जीवन-स्तर का आश्वासन

सामाजिक प्रगति के माप

सामाजिक प्रगति का सम्बन्ध समाज के स्वीकृत मूल्यों तथा आदर्शों से होता है। भिन्न-भिन्न समाजों के आदर्श और मूल्य भी भिन्न-भिन्न होते हैं; अतः प्रगति को सार्वभौमिक माप निर्धारित करना कठिन है। कुछ विद्वानों ने कुछ सार्वभौमिक सामाजिक लक्ष्यों के आधार पर प्रगति के माप निर्धारित करने के प्रयत्न किये हैं।

बोगार्डस के अनुसार प्रगति की माप

1) प्राकृतिक साधनों का जनसाधारण के लिये प्रयोग
2) अधिक से अधिक जनसंख्या में लोगों का शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ होना।
3) स्वस्थ वातावरण में वृद्धि होना।
4) मनोरंजन के स्वस्थ तथा उपयोगी साधनों का विस्तार
5) पारिवारिक संगठन अधिक सुदृढ़ होना।